Yayawari
via bhojpuri

NotNul

कसक

ऑर्थर मॉरिसन

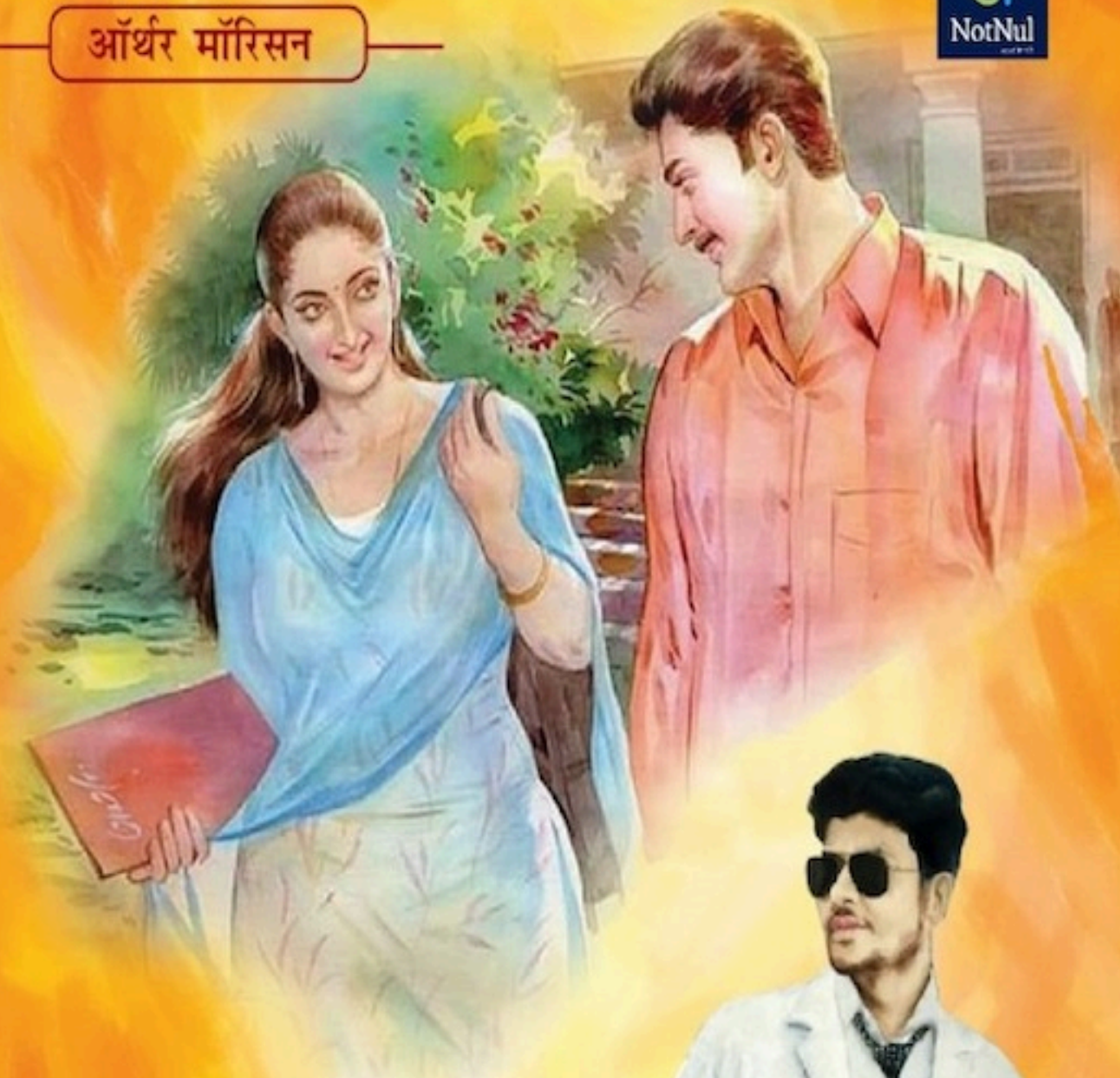

अनुवादक
सुधीर कुमार मिश्रा

आवाज
प्रतिमा योगी

कसक (इंग्लैंड)

कहानी

लेखक- आथ्रर मारिसन

अनुवादक- सुधीर कुमार मिश्र

ईश्वर बृज'' फ़ाउंडेशन के तहत माटी परियोजना के अंतर्गत अनूदित

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: नवम्बर, 2022

साइमन अपना पत्नी का संघे बहुते बुरा बरताव कइले, ई बात अभियो पड़ोसियन का घेट से नीचे ना उतरत रहे, सभे पड़ोसियन खाति ई बहुते आश्चर्य के बात रहे, अगरी-कगरी के सभे मेहरारू उनका के एगो आदर्श पति मानत रहे लो आ श्रीमती साइमन एगो पतिव्रता मेहरारू रही, दिन-रात खतट रहस। मुहल्ला के सभे मेहरारू ई मानत रहे लो कि उ अपना मरद ला जेतना करेली, ओतना शायदे केहू कर सकेला, आ बदला में उनका का मिलल? शायद उ अचके पगला गइल रहलन।

साइमन से बियाह करे का पहिले मिसेज साइमन विधवा रहली आ मिसेज फोर्ड कहात रही। फोर्ड एगो माल जहाज में कुली रहलन आ एक दिने उ जहाज पऽ सवार सभे यात्रियन का संघे डूब गइलन।

उनका अपना जिद के निमन सबक मिलल रहे, उ घुमन्तू मियाज के आदमी रहलन। एहिसे एगो निमन कारीगर होखला के बादों उ जहाज पऽ नोकरी कऽ के खुद के तबाह कऽ लेले रहले, बारह बरिस ले बियहल रहला के बादों मिसेज फोर्ड का बच्चा ना रहे आ अभियो श्रीमती साइमन का रूपो में कवनों संतान ना रहे।

जहां तक ले साइमन के सवाल रहे, सभे मानत रहे कि उ बहुते भाग्यशाली बाड़े जे उनका एतना निमन मेहरारू मिलल बाड़ी। उ एगो निमन लोहार रहलन, बाकि दुनियादारी में एकदमे अनाड़ी रहस। उनका देखे से अगर मिसेज साइमन ना रहती तऽ थॉमस के ना जाने का हाल होखित? उ दब्बू आ शांत स्वभाव के रहले, उनका भोला-भाला चेहरा पऽ मोछ छितरल रहे, उनका कवनों लत ना रहे। इहां तकले कि बियाह